पांच हजार आवासीय मनमोहिनी (वन) का उद्‌घाटन

शान्तिवन, 9 अक्टूबर। यज्ञ के इतिहास में आज का दिन भी स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होगा तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कुछ वर्ष पूर्व ब्रह्माकुमारीज संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दिवगंत दादी प्रकाशमणि द्वारा भवन के किये गये शिलान्यास का आज पूर्ण होने पर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी जी, संस्था के महासचिव ब्र. कु. निर्वैर जी, ब्र. कु. रमेश जी, ब्र. कु. बृजमोहन जी तथा देश-विदेश से आये वरिष्ठ भाई-बहनों के उपस्थिति में पांच हजार आवसीय मनमोहिनी वन काम्पलेक्स का उद्‌घाटन किया गया।

आज प्रात: 10 बजकर 30 मिनट पर उद्‌घाटित 5 हजार शैय्या वाले विशाल एवं सुन्दर मनमोहिनी वन काम्पलेक्स में स्वर्णिम प्रभात, देवलोक, वैकुण्ठ भवन तथा त्रिलोक भवन अलग-अलग भवन है। जिसमें अलग-अलग व्यवस्थाओं से सुसज्जित है। यह काम्पलेक्स शान्तिवन से कुल आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह हरे-भरे बाग-बगीचों से सुसज्जित है।

इस अवसर पर ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. मुन्नी, यीशू दादी, शान्तामणि दादी, गुजरात जोन की जोनल इंचार्ज, ब्र. कु. सरला दीदी, विदेश से ब्र. कु. जयन्ति, ब्र. कु. डा. निर्मला तथा अन्य वरिष्ठ बहनों के साथ ब्र. कु. करूणा जी, ब्र. कु. मृत्युंजय जी, ब्र. कु. भूपाल जी, ब्र. कु. आत्म प्रकाश जी तथा इंजिनियर ब्र. कु. भरत भाई मौजूद थे।